व्यंग्य रचना

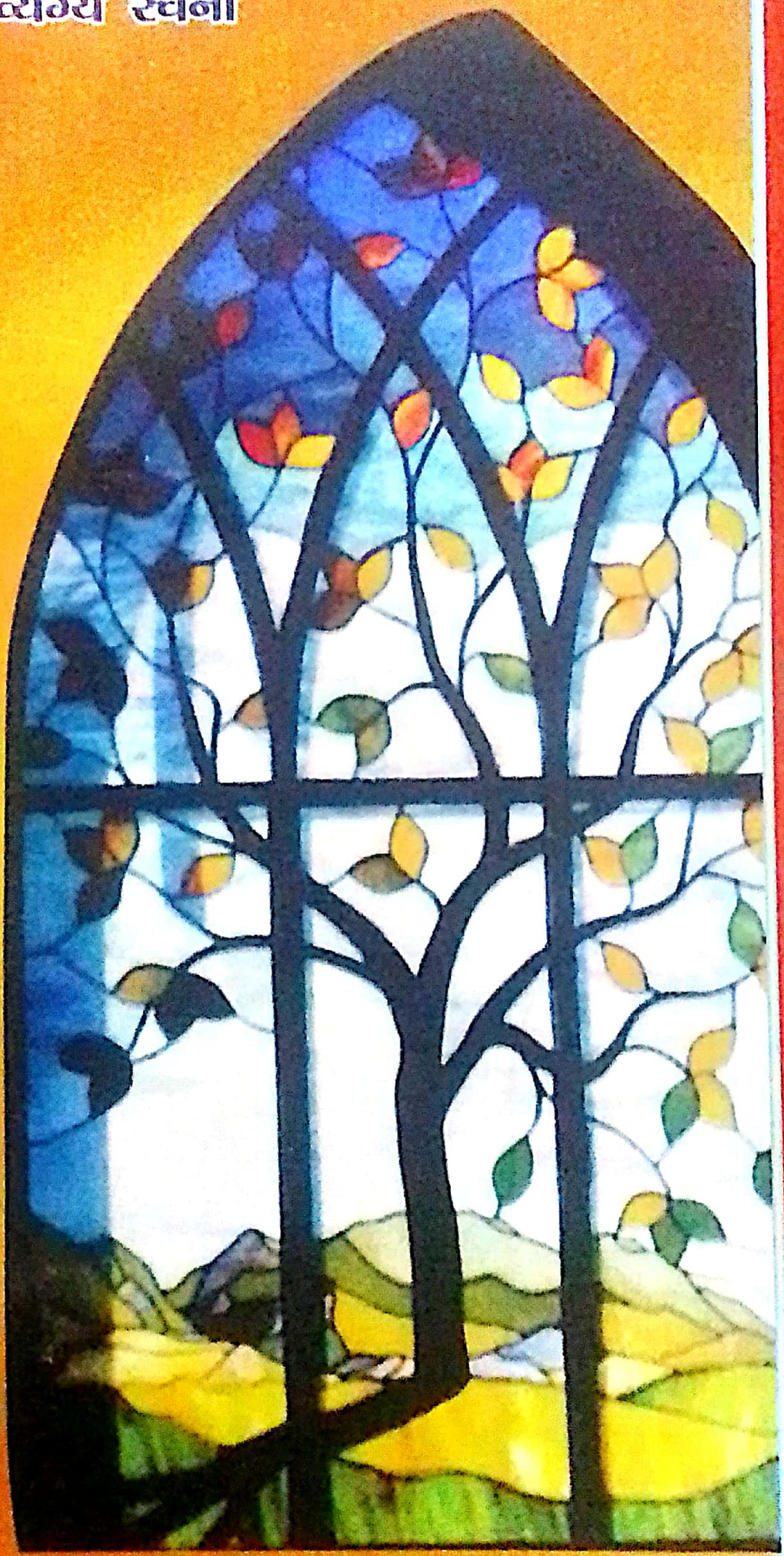

अथ काया कथा

• अजीत श्रीवास्तव

Scanned with OKEN Scanner

पुस्तक का नाम- अथ काया कथा (व्यंग्य उपन्यास)

लेखक का नाम- अजीत श्रीवास्तव

पता- 'राजीव सदन' नायक मुहल्ला

टीकमगढ़ (म.प्र.) पिन- 472001

मोबाइल नं.- 08827192845

वर्ष- 2012

आवृत्तियां- तीन सौ मात्र

सर्वाधिकार- लेखकाधीन

मुद्रक- शंकर कम्प्यूटर ग्राफिक्स एण्ड फोटोकापी

छोटी देवीजी के पास, टीकमगढ़

मोबाइल नं.- 9630902425

Ath Kaya Katha
By - Ajit Shrivastava

मूल्य 150/-

Scanned with OKEN Scanner

संतोष खरे सीनियर एडवोकेट 7,राजेन्द्र नगर, सतना म.प्र485002

अभिमत

अभिमत लिखते समय मेरे समक्ष यही धर्मसंकट उपस्थित हो रहा था कि मै इस पुस्तक को उपन्यास की श्रेणी में रखूं अथवा अन्य किसी श्रेणी में। मेरी व्यक्तिगत समझ के अनुसार इसे उपन्यास की श्रेणी में नही रखा जा सकता जिसका सीधा अर्थ यह होता है कि मै लेखक की धारणा कि यह एक व्यंग्य उपन्यास है, से सहमत नही हूं। पुस्तक को पढ़ने से मुझे ऐसा प्रतीत हुआ इसे व्यंग्य लेखो के संग्रह के रूप में परिभाषित किया जाना चाहिए। लेखक ने मानव शरीर के विभिन्न अंगो पर शोधपूर्ण ढंग से जो कुछ लिखा वह मौलिक और पठनीय है इस प्रकार की रचना इसके पूर्व मुझे पढ़ने को नहीं मिली मुझे पढ़कर पंचतंत्र की याद आई लेखक ने एक आलेख के बाद दूसरा शुरू करने के पहले जो टिप्पणी दी हैं। वह सटीक व्यंग्य विधा के विभिन्न पहलुओं को प्रकाश में लाती हैं। प्रत्येक आलेख के बाद इस प्रकार से लेखकीय निष्कर्ष पुस्तक को विशेषता प्रदान करते है। लेखक के कहीं कहीं सूत्र वाक्य पठनीय, स्थायी महत्व के भी हैं आंसू गिरें तो लोग हिल जाते है प्रसन्न मन से गिरे, लोग खिल जाते हैं। लेखक की शब्दावली, शैली और सामान्य ज्ञान पर्याप्त रूप से परिस्कृत है पढ़ने पर लेखक के विभिन्न विषयों पर अच्छा अनुभव होना, उसका स्वयं का देखा हुआ अनुभूत आधार मिलता है शुभकामनाओं सहित।

(श्री खरे जी देश के जाने माने प्रतिष्ठित व्यंग्य कार हैं)

Scanned with OKEN Scanner

परिचय

नाम – अजीत श्रीवास्तव

शिक्षा – एम.ए. (अर्थशास्त्र) एल–एल.बी.

जन्म – 6 मार्च 1957

कार्य – वरिष्ठ एडवोकेट

मानसेवी विधि व्याख्याता, विधि कॉलेज टीकमगढ़

हॉबी – अभिनय, पठन, लेखन–व्यंग्य, नाटक, कविता, लेख आदि। बुन्देली में लेखन–संकलन, बाल उपन्यास ।

पद – संस्थापक बुन्देलखण्ड कला मंच टीकमगढ़, उपाध्यक्ष म.प्र. लेखक संघ भोपाल (इकाई टीकमगढ़), सचिव वीरेन्द्र केशव साहित्य परिषद टीकमगढ़

प्रकाशन– 'चिरैया का दाना' (अभिव्यक्ति भोपाल)

'खेल–खेल में सीखें' (राजीव देवीदयाल प्रकाशन)

प्रकाशनाधीन –आलोचना के लिए (काव्य संग्रह), गंगा का रोष (काव्य संग्रह), मंचन के लिए, मंथन के लिए (लघुनाट्य संग्रह)

विशेष – लोकभाषा द्वारा विज्ञान प्रचार पूर्व समन्वयक साइंस सेंटर एवं डी.एस.टी. दिल्ली द्वारा स्वास्थ्य, जल, वन आदि पर प्रचार–प्रसार, टी.वी. में प्रसारित । आकाशवाणी रीवा, छतरपुर, शिवपुरी से रचनाएं प्रसारित ।

प्रकाशन– सरिता, सरस सलिल, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, व्यंग्य यात्रा, बराबर, कार्टून वॉच, गुदगुदी, व्यंग्य विनोद, झुनझुना, मालवा स्ट्रीट, जाह्नवी, वीणा, बिंदिया आदि में ।

पता – 'राजीव सदन' नायक मुहल्ला, टीकमगढ़ (म.प्र.)

पिन– 472001 तरंग – 08827192845

Scanned with OKEN Scanner